B.A-III
Paper-VI
Unit-II

Topic - Contributions of Taylor

टेलर का योगदान

(iii) मानक कार्यविधियों के अनुकूल कार्य के लिए प्रबन्ध तथा कर्मचारियों को सहयोग करना (To Co-operate the management and workers for standard Procedures of Work) - इस नियम के अनुसार प्रबन्ध तथा कर्मचारियों को एक-दूसरे के साथ सहयोग करना चाहिए ताकि उद्योग के कार्यों को मानक कार्यविधियों के द्वारा किया जाना सम्भव हो सके।

(iv) योजनाओं का निर्माण करना तथा नियोजित कार्यों को पूरा करना (To make plans and to get the planned works done) - इस नियम के अनुसार प्रबन्ध द्वारा योजनाएँ बनाई जानी हैं और नियोजित कार्यों को कर्मचारियों के द्वारा पूरा कराया जाना है।

उपर्युक्त चार सिद्धान्तों के आधार पर वास्तव में प्रबन्ध तथा कर्मचारी के बीच कार्य-विभाजन का उल्लेख किया गया है। मैनेजर या प्रबन्धक कार्य की योजना बनाता है तथा कार्य अभिकल्प का निर्माण करता है। वह कार्य आवंटन बनाता है, निष्पादन लक्ष्यों को निर्धारित करता है तथा समय सारणी का निर्माण करता है। मैनेजर मानक कार्यविधियों के अनुकूल काम करने के लिए कर्मचारियों का चयन करते हैं तथा उन्हें प्रशिक्षित करते हैं। इसके अतिरिक्त मैनेजर कर्मचारियों को उनके कार्य के स्वरूप के अनुकूल पुनर्निवेशन भी देते हैं इस प्रकार आर्थिक प्रोत्साहनों के माध्यम से वैयक्तिक उत्पादकता को पुरस्कार का उपयोग कर बढ़ाया जाता है।

टेलर ने इस संबंध में कई अध्ययन किए, जिनमें Pig Iron Experiment विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अपने अध्ययन के आलोक में टेलर ने पहले चरण में प्रत्येक कार्य के लिए काम करने की सर्वोत्तम विधि को निर्धारित करने पर बल दिया। दूसरे चरण में कार्य के लिए उपयुक्त व्यक्ति के चयन पर बल दिया है। तीसरे चरण में चयन किए गए कर्मचारी के प्रशिक्षण पर बल दिया और अन्त में पुनर्निवेशन के महत्व पर बल दिया और इस तरह प्रोत्साहन-मजदूरी योजना के उपयोग पर बल दिया।

टेलर के इन विचारों का प्रभाव अमेरिका के साथ-साथ फ्रांस, जर्मनी, रूस तथा जापान के उद्योगों संगठनों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर पड़ा जिससे उत्पादकता में 30% या इससे भी अधिक के प्रसार में संगत प्रगति प्राप्त हो सकी।